उच्च शिक्षा विभाग, उ०प्र० सरकार द्वारा संपोषित

(Sponsored by Deptt. of Higher Education, Govt. of U.P.)

राष्ट्रीय संगोष्ठी

(NATIONAL SEMINAR)

विषयः

शिक्षा में मानवीय मूल्य एवं व्यावसायिक नैतिकताः आवश्यकता एवं महत्त्व

Human Values and Professional Ethics in Education: Need and Importance

22–23 फरवरी, 2020

पंजीकरण प्रपत्र

नाम.....

पद / विभाग.....

शोधपत्र / लेख शीर्षक.....

.....

.....

संस्थान.....

पता.....

.....

संपर्क सूत्र.....

ईमेल.....

पंजीकरण शुल्क.....

भुगतान माध्यम व दिनांक.....

आवास व्यवस्था हां / नहीं.....

दिनांक हस्ताक्षर

बुक- पोस्ट

प्रतिष्ठा में,

.....

.....

.....

प्रेषक:

डॉ० पी०के० वार्ष्णेय, संयोजक

दीपक कुमार शर्मा व सैयद अब्दुल वाहिद शाह, आयोजन सचिव

मोबाइल : 9897023933, 8273489910

राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर(उ०प्र०)–244901

निमन्त्रण

राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ०प्र०) दिनांक 22–23 फरवरी, 2020 को **"शिक्षा में मानवीय मूल्य एवं व्यावसायिक नैतिकताः आवश्यकता एवं महत्त्व"** विषय पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग हेतु आप सभी को सादर आमंत्रित करता है।

रामपुर

रामपुर भारत के उत्तर प्रदेश राज्य का एक ऐतिहासिक नगर है। यह मुरादाबाद एवं बरेली के बीच में स्थित है। रामपुर नगर कोसी नदी के किनारे पर स्थित है। रामपुर का चाकू और ज़रदोज़ी उद्योग विश्व प्रसिद्ध है। वस्त्र तथा चीनी मिट्टी के बरतन के उद्योग भी नगर में हैं। रामपुर नगर में खुसरो बाग में स्थित राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय के आलावा अरबी भाषा का एक विद्यालय, रामपुर क़िला, रज़ा पुस्तकालय, आर्यभट्ट नक्षत्रशाला और कोठी ख़ास बाग़ स्थित है। रामपुर की स्थापना नवाब फ़ैज़ुल्लाह खान ने की थी। उन्होंने 1774–1794 की अवधि में यहाँ शासन किया। यह ज़िला समुद्र सतह से उत्तर में 192 मीटर व दक्षिण में 166.4 मीटर ऊँचाई पर है। राष्ट्रीय राजमार्ग 24 यहाँ से होकर गुजरता है। यह ज़िला उत्तर प्रदेश की राजधानी से 302 किमी० व राष्ट्रीय राजधानी से 185 किमी० दूरी पर स्थित है।

उद्देश्य

भारतवर्ष आध्यात्म व दर्शन के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है। पुरातन काल से ही भारतीय संस्कृति में मानवीय मूल्यों के विकास पर विशेष बल दिया गया है, जिसकी झलक हमें वैदिक काल की गुरू–शिष्य परम्परा में मिलती है, परंतु वर्तमान युग में मानवीय मूल्यों में निरंतर ह्रास हो रहा है जिस कारण विश्व शांति एवं उसका अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है इस समस्या का समाधान शिक्षा में मानवीय मूल्यों का समावेश करके ही संभव है। पंड्या (1959) ने शिक्षा में दर्शन के स्थान एवं व्यावहारिक मूल्यों का अध्ययन करके शिक्षा पद्धति का पुनर्गठन करने का सुझाव दिया।

भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही शिक्षक को समाज में सर्वोच्च स्थान प्राप्त था, परंतु वर्तमान समय में शिक्षकों की इस छवि पर शनैः–शनैः प्रश्नचिह्न लगता जा रहा है, अतः शिक्षकों की समाज में गरिमापूर्ण छवि की पुनर्स्थापना हेतु व्यावसायिक नैतिकता को समुचित प्रकार से समझने एवं व्यावहारिक रूप से अपनाने की आवश्यकता है। संचार क्रांति के युग में शिक्षण एवं शोध कार्य में ईमानदारी एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, एक ओर जहाँ ज्ञान के प्रसार के लिए संचार क्रांति वरदान सिद्ध हुई है, वहीं दूसरी ओर इसके कारण शोध की मौलिकता बनाए रखना अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इस पृष्ठभूमि में शिक्षण व शोध के क्षेत्र में व्यावसायिक नैतिकता को सुनिश्चित करना अत्यन्त आवश्यक एवं प्रासंगिक है। अतः वर्तमान संगोष्ठी के माध्यम से इन अति महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा समीचीन है।

उप–विषय (Sub-Themes)

- शिक्षा एवं मानवीय मूल्य (Education and Human Values)
- शिक्षा एवं व्यावसायिक नैतिकता (Education and Professional Ethics)
- शिक्षक एवं व्यावसायिक नैतिकता (Teacher and Professional Ethics)
- संविधान एवं मानवीय मूल्य (Constitution and Human Values)
- हमारा अतीत एवं मानवीय मूल्य (Our Past and Human Values)
- भौगोलिक परिस्थितियाँ एवं मानवीय मूल्य (Geographical Conditions and Human Values)
- मनोविज्ञान एवं मानवीय मूल्य (Psychology and Human Values)
- कल्याणकारी अर्थशास्त्र एवं मानवीय मूल्य (Welfare Economics and Human Values)
- कल्याणकारी विज्ञान एवं मानवीय मूल्य (Welfare Science and Human Values)
- योग, शारीरिक शिक्षा एवं मानवीय मूल्य (Yoga, Physical Education and Human Values)
- धर्म, दर्शन एवं मानवीय मूल्य (Religion, Philosophy and Human Values)
- भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्य (Indian Culture and Human Values)
- साहित्य एवं मानवीय मूल्य (Literature and Human Values)
- पर्यावरण संरक्षण एवं मानवीय मूल्य (Environment Conservation and Human Values)
- शोध एवं मानवीय मूल्य (Research and Human Values)
- शोध एवं व्यावसायिक नैतिकता (Research and Professional Ethics)
- डिजिटल इंडिया एवं मानवीय मूल्य (Digital India and Human Values)
- अन्य सम्बन्धित उप–विषय (Other Related Sub-Themes)

शोधपत्र / लेख प्रेषण

प्रतिभागी अपना शोधपत्र / लेख (शब्द सीमा– 4000 अधिकतम) एवं शोध सारांश (शब्द सीमा– 300 अधिकतम) MS Word फाईल में (हिंदी में कृतिदेव 010, फ़ॉन्ट माप 12 अथवा अंग्रेज़ी में Times New Roman, Font Size 12) razaseminar2020@gmail.com पर **07 फरवरी, 2020** तक प्रेषित कर दें।

महाविद्यालय द्वारा संगोष्ठी की स्मारिका (Souvenir) के अतिरिक्त संगोष्ठी में सम्मिलित शोधपत्रों / लेखों की एक सम्पादित पुस्तक (Edited Book with ISBN) भी प्रकाशित की जाएगी।

पंजीकरण शुल्क

पंजीकरण शुल्क का भुगतान Principal, Govt. Raza P. G. College, Rampur के Indian Bank, Shaukat Ali Road, Rampur (IFSC IDIB000R070) के **बचत खाता संख्या 6572855779** में NEFT/ IMPS/BHIM/UPI/eWallet आदि ऑनलाइन / परम्परागत माध्यम द्वारा जमा किया जा सकता है।

	07.02.2020 तक	07.02.2020 के पश्चात्
शिक्षक–	₹500	₹600
शोधार्थी–	₹300	₹400
विद्यार्थी–	₹200	₹200

आवास व्यवस्था

लॉज अथवा धर्मशाला में आवास की व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। पूर्व सूचना देने व होटल शुल्क का अग्रिम भुगतान करने पर होटल में आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सकती है। प्रतिभागियों को कोई यात्रा / दैनिक भत्ता देय नहीं होगा।

मुख्य अतिथि – **प्रो० अनिल शुक्ल**, कुलपति, एम०जे०पी० रुहेलखण्ड वि०वि०, बरेली (उ०प्र०)

–आयोजन समिति–

संरक्षक – **प्रो० वंदना शर्मा**, निदेशक, उच्च शिक्षा, प्रयागराज (उ०प्र०)

संयोजक – **डॉ० पी०के० वार्ष्णेय**, प्राचार्य

सह–संयोजक – **डॉ० जागृति मदान धींगरा**, एसो० प्रोफ़ेसर, जंतु विज्ञान

आयोजन सचिव – **दीपक कुमार शर्मा**, असि० प्रोफ़ेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग (बी०एड०)

सैयद अब्दुल वाहिद शाह, असि० प्रोफ़ेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग (बी०एड०)

कोषाध्यक्ष – **डॉ० शैलेन्द्र कुमार**, असि० प्रोफ़ेसर, गणित

डॉ० अमित अग्रवाल, असि० प्रोफ़ेसर, वाणिज्य

–परामर्श मण्डल–

1. डॉ० विनीता सिंह
2. डॉ० दीपा अग्रवाल
3. डॉ० सहदेव
4. डॉ० एस० एस० यादव
5. डॉ० मीनाक्षी गुप्ता
6. डॉ० सीमा तेवतिया
7. डॉ० बेबी तबस्सुम
8. डॉ० मुजाहिद अली
9. डॉ० हितेन्द्र कुमार सिंह
10. डॉ० प्रवेश कुमार
11. डॉ० प्रदीप कुमार
12. डॉ० अरविन्द कुमार

–सम्पादक मण्डल–

1. डॉ० अरुण कुमार
2. डॉ० रेनू
3. डॉ० प्रिया बजाज
4. डॉ० अजय विक्रम सिंह
5. डॉ० रेशमा परवीन
6. डॉ० जुबैर अनीस
7. डॉ० माणिक रस्तोगी
8. डॉ० निधि गुप्ता
9. डॉ० ज़ेबी नाज़
10. डॉ० सोमेन्द्र सिंह

–सदस्य–

1. डॉ० सैयद अरशद रिज़वी
2. डॉ० विनय कुमार शर्मा
3. डॉ० विनय कुमार चौधरी
4. डॉ० कुसुमलता
5. डॉ० सुमनलता
6. डॉ० अजीता रानी
7. डॉ० सुरेन्द्र कुमार
8. डॉ० रामकिशोर सागर
9. डॉ० ललित कुमार
10. डॉ० जहाँगीर अहमद ख़ान
11. डॉ० सुरेन्द्र कुमार गौतम
12. डॉ० मुदित सिंघल
13. डॉ० राजू
14. डॉ० मौ नासिर
15. डॉ० महेंद्र पाल सिंह यादव
16. डॉ० कामिल हुसैन
17. डॉ० राम कुमार
18. डॉ० दीपमाला सिंह
19. डॉ० प्रतिभा श्रीवास्तवा
20. डॉ० ब्रह्म सिंह
21. डॉ० मोनिका खन्ना
22. डॉ० विजय कुमार राय
23. डॉ० राजीव पाल
24. डॉ० रेखा कुमारी
25. डॉ० रजनीबाला (कार्यालय अधीक्षक)

Seminar Report

Topic: National Seminar on "Human Values and Professional Ethics in Education: Need and Importance"

Date: 22-23 February 2020

Organizer: Govt. Raza P. G. College, Rampur (U.P)

Introduction:

The National Seminar on "Human Values and Professional Ethics in Education" held at Govt. Raza P. G. College, Rampur (U.P) on February 22-23, 2020, aimed to address the critical need for instilling human values and professional ethics in education. In an era dominated by technology and materialism, the seminar emphasized the importance of preserving fundamental and moral values to ensure a meaningful and balanced society.

Themes and Objectives:

The seminar encompassed 17 sub-topics and related issues, each designed to explore various aspects of human values and their significance in the field of education. The key objectives were to enlighten participants, which included academics, teachers, researchers, and students, about the importance of human values and morality in life.

Keynote Address:

Dr P.K. Varshney addressed, emphasizing that education plays a pivotal role in shaping individuals and society. He argued that while the world pursues material comforts, it's equally important to nurture spiritual and mental strength. The loss of fundamental and moral values in the race for prosperity was a central concern, and the need to adopt and embrace these values was highlighted.

Seminar Highlights:

Throughout the seminar, participants engaged in discussions, presentations, and research papers on topics related to human values, ethics in education, and their impact on society. The exchange of ideas and insights provided a platform for scholars to reflect on the role of education in preserving and promoting human values.

Conclusion:

The National Seminar on "Human Values and Professional Ethics in Education" held at Govt. Raza P. G. College, Rampur, served as a significant platform to address the need for moral and ethical education in our modern, materialistic world. The 17 sub-topics explored in the seminar aimed to inspire a new direction, fostering human civilization, culture, and moral prosperity.

Closing Remarks:

The organizers expressed their gratitude for the participation of esteemed scholars and looked forward to continued efforts in promoting human values in education and society.

Principal
Govt. Raza P.G. College
Rampur (U.P.)